Signature of Invigilators

1. ....

2. ....

HINDI
PAPER–III
OCT–11/05

Roll No. ☐☐☐☐☐
(In figures as in Admit Card)

Roll. No. ....

....
(in words)

Name of the Areas/Section (if any)..................

Time Allowed : 2-1/2 hours] **[Maximum Marks : 200**

Instructions for the Candidates

1. Write your Roll Number in the space provided on the top of this page.
2. Write name of your Elective/Section if any.
3. Answer to short answer/essay type questions are to be written in the space provided below each question or after the questions in test booklet itself. No additional sheets are to be used.
4. Read instructions given inside carefully.
5. Last page is attached at the end of the test booklet for rough work.
6. If you write your name or put any special mark on any part of the test booklet which may disclose in any way your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. Use of calculator or any other Electronics Devices is prohibited.
8. There is no negative marking.
9. You should return the test booklet to the invigilator at the end of the examination and should not carry any paper outside the examination hall.

પરીક્ષાર્થીઓ માટે સૂચનાઓ :

૧. આ પૃષ્ઠની જમણી બાજુની ઉપર આપેલી જગ્યામાં તમારો ક્રમાંક (રોલ નંબર) લખો.
૨. તમે જે વિકલ્પનો ઉત્તર આપો તેનો સ્પષ્ટ નિર્દેશ કરો.
૩. ટૂંકનોંધ કે નિબંધ પ્રકારના પ્રશ્નોના ઉત્તર દરેક પ્રશ્નની નીચે આપેલી જગ્યામાં જ લખો. વધારાના કોઈ કાગળનો ઉપયોગ કરશો નહીં.
૪. અંદર આપેલી સૂચનાઓ ધ્યાનથી વાંચો.
૫. આ ઉત્તરપોથીમાં અંતે આપેલું પૃષ્ઠ કાચા કામ માટે છે.
૬. આ ઉત્તરપોથીમાં કોઈપણ સ્થાને તમારી ઓળખ કરાવે એવી રીતે તમારું નામ કે કોઈ ચોક્કસ નિશાની કરી હશે તો તમને આ પરીક્ષા માટે ગેરલાયક ગણવામાં આવશે.
૭. કેલક્યુલેટર અથવા ઈલેક્ટ્રોનિક્સ સાધનોનો ઉપયોગ કરવો નહીં.
૮. નકારાત્મક ગુણાંક પદ્ધતિ નથી.
૯. પ્રશ્નપત્ર લખાઈ રહે એટલે આ ઉત્તરપોથી તમારા નિરીક્ષકને આપી દેવી. પરીક્ષાખંડની બહાર કોઈ પણ પ્રશ્નપત્ર લઈ જવું નહીં.

FOR OFFICE USE ONLY
MARKS OBTAINED

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.			

Total Marks obtained ....

Signature of the co-ordinator ....
(Evaluation)

SEAL

HINDI

PAPER - III

नोट : इस प्रश्नपत्र में **चार (4)** भाग हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग एक

नोट : निम्नलिखित निबन्धवत् प्रश्नों का उत्तर लगभग **500** शब्दों में लिखिए। 2×20=40

1. 'मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है'—कथन के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी साहित्य की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

2. साहित्य के निर्माण में विचारधाराओं की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

भाग दो

नोट : 1-6 में से किसी एक विकल्प के सभी प्रश्नों के उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए। 3×15=45

ऐच्छिक एक

3. कबीर और तुलसी की राम-संबंधी अवधारणा पर विचार कीजिए।

4. सूरदास के सौन्दर्यबोध पर प्रकाश डालिए।

5. पद्मावत के रूपक तत्त्व की समीक्षा कीजिए।

अथवा

ऐच्छिक दो

3. छायावादी काव्य में प्रगीत के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

4. छायावाद के विकास में 'पल्लव' की भूमिका के योगदान को समझाइये।

5. महादेवी के काव्य के गीतितत्त्व पर विचार कीजिए।

अथवा

ऐच्छिक तीन

3. स्वाधीनता आन्दोलन के विकास में हिन्दी उपन्यासों के योगदान की सोदाहरण चर्चा कीजिए।

4. ''बाणभट्ट् की आत्मकथा' की निपुणिका नारीमुक्ति की आकांक्षा की साक्षात्प्रतीक है'—उक्त कथन के आधार पर नारीमुक्ति की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

5. हिन्दी उपन्यासों के आलोक में दलित चेतना की संकल्पना स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ऐच्छिक चार

3. 'तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृतिः पुनः क्वापि' के आधार पर मम्मट के काव्यलक्षण की व्याख्या कीजिए।

4. औचित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए इसके मुख्य भेदों की चर्चा कीजिए।

5. सहृदय की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए साधारणीकरण का स्वरूप समझाइए।

अथवा

ऐच्छिक पाँच

3. हजारीप्रसाद द्विवेदी की समीक्षा का फलक मानववादी है—समझाइए।

4. प्रगतिवादी आलोचना के विकास में रामविलास शर्मा के योगदान पर प्रकाश डालिए।

5. विजयदेव नारायण साही की 'लघुमानव' की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उनके आलोचनात्मक वैशिष्ट्य को उजागर कीजिए।

अथवा

ऐच्छिक छः

3. आधुनिकता एवं उत्तर-आधुनिकता का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

4. साहित्य के आधुनिकताबोध को समझने में परम्परा की अवधारणा किस प्रकार कारगर साबित होती है—स्पष्ट कीजिए।

5. संरचनावाद ने साहित्य को देखने की दृष्टि में क्रान्तिकारी परिवर्तन किया है—अपने विचार व्यक्त करें।

Q. No. 3. ऐच्छिक..............................

Q. No. 4. ऐच्छिक..........................

Q. No. 5. ऐच्छिक..........................

भाग तीन

नोट : प्रत्येक प्रश्न का **पचास** शब्दों में उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। (9×10=90)

6. सूरदास के काव्य में गीति तत्व।

7. मुक्तिबोध की काव्य भाषा।

8. केशव का आचार्यत्व।

9. प्रतीक योजना।

10. आधे-अधूरे का नाट्यार्थ।

11. कुँवर नारायण में मिथकीय चेतना।

12. नयी कहानी की संवेदना।

13. तद्विद् आल्हादकारिणी का तात्पर्य।

14. आई. ए. रिचर्ड्स के सम्प्रेषण सिद्धान्त का तात्पर्य।

भाग चार

नोट : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िये और उस पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न **पाँच** अंकों का है तथा प्रत्येक उत्तर **तीस** शब्दों में होना चाहिए।

हमारा इतिहास बहुत पुराना है। हमारे शास्त्रों में इस समस्या को नाना भावों और नाना पहलुओं से विचारा गया है। हम कोई नौसिखुए नहीं हैं, जो रातों-रात अनजान जंगल में पहुँचाकर अरक्षित छोड़ दिये हों। हमारी परम्परा महिमामयी, उत्तराधिकार विपुल और संस्कार उज्ज्वल है। हमारे अनजान में भी ये बातें हमें एक खास दिशा में सोचने की प्रेरणा देती हैं। यह ज़रूर है कि परिस्थितियाँ बदल गयी हैं। उपकरण नये हो गये हैं और उलझनों की मात्रा भी बहुत बढ़ गयी है, पर मूल समस्याएँ बहुत अधिक नहीं बदली हैं। भारतीय चित्र जो आज भी 'अनधीनता' के रूप में न सोचकर 'स्वाधीनता' के रूप में सोचता है, वह हमारे दीर्घकालीन संस्कारों का फल है। वह 'स्व' के बन्धन को आसानी से नहीं छोड़ सकता। अपने आप पर अपने आप के द्वारा लगाया हुआ बन्धन हमारी संस्कृति की बड़ी भारी विशेषता है। मैं ऐसा तो नहीं मानता कि जो कुछ हमारा पुराना है, जो कुछ हमारा विशेष है, उससे हम चिपटे ही रहें। पुराने का 'मोह' सब समय वाञ्छनीय ही नहीं होता। मरे बच्चे को गोद में दबाये रहने वाली 'बँदरिया' मनुष्य का आदर्श नहीं बन सकती। परन्तु मैं ऐसा भी नहीं सोच सकता कि हम नयी अनुसन्धित्सा के नशे में चूर होकर अपना सरबस खो दें। कालिदास ने कहा था कि सब पुराने अच्छे नहीं होते, सब नये खराब ही नहीं होते। भले लोग दोनों की जाँच कर लेते हैं, जो हितकर होता है उसे ग्रहण करते हैं, और मूढ़ लोग दूसरों के इशारे पर भटकते रहते हैं। सो, हमें परीक्षा करके हितकर बात सोच लेनी होगी और अगर हमारे पूर्व सञ्चित भाण्डार में वह हितकर वस्तु निकल आवे, तो इससे बढ़कर और क्या हो सकता है ?

15. हम नौसिखुए क्यों नहीं हैं ?

16. हम 'अनधीनता' को 'स्वाधीनता' के रूप में क्यों सोचते हैं ?

17. हमारी संस्कृति की मुख्य विशेषता क्या है ?

18. परम्परा के प्रति सही दृष्टि क्या है ?

19. नये-पुराने के विषय में कालिदास ने क्या कहा है ?

ROUGH WORK

SEAL